Title: Regarding non-payment of dues to the farmers, particularly in Uttar Pradesh.

SHRI SAIDUZZAMA (MUZAFFARNAGAR): Sir, I have already sent a copy.

मान्यवर, आज पूरे प्रदेश की स्थिति बहुत ही गंभीर बनी हुई है। आज किसान मौत और जिंदगी के बीच जूझ रहे हैं। आज काश्तकारों को दो वर्ाों से पेमैंट नहीं हो पाई है और जो फसल खड़ी है, उसको भी शुगर मिल लेने को तैयार नहीं है। अगर किसान अपना पैसा मांगते हैं तो उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा उनको पीटा जाता है, जेलों मे बंद किया जाता है और उन पर अत्याचार किए जाते हैं। आज देश की स्थिति बहुत ही गंभीर बनी हुई है। आज इस गंभीर मौके पर जहां किसानों को दुश्वारी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं उनसे कर्जे वसूल किए जा रहे हैं। सरकार ने जो कर्जे माफ किए थे, कहा था कि इस समय नहीं लिए जाएंगे, उसके बावजूद भी उनसे कर्जे की डिमांड की जा रही है और उनको जेलों में भेजा जा रहा है। आज प्रदेश में जगह-जगह किसान प्रदर्शन कर रहे हैं और शुगरकेन की प्राइस की मांग कर रहे हैं। उनका तरह-तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस मौके पर उनको पेमैंट कराई जाए और उनका जो बकाया है, उसको भी दिया जाए तथा किसानों की उत्पीड़न को रोका जाए।

MR.SPEAKER: Please be very brief. I would like to cover maximum number of notices that have been given.

श्री चन्द्र विजय सिंह (मुरादाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों की समस्याओं की ओर दिलाना चाहता हूं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का गन्ना कृाक बहुत सालों से परेशान है। मिल-मालिक उनके उत्पादन का भुगतान नहीं कर रहे हैं। किसानों की लड़कियों की शादियां नहीं हो रही हैं और उनके बच्चो की स्कूल की फीस तक नहीं दी जा रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान कचहरी पर धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा उन पर प्रहार किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से केन्द्रीय सरकार का ध्यान आकर्ति करते हुए कहना चाहता हूं कि जब उत्तर प्रदेश की सरकार बुलन्द दिली से पोटा लागू कर रही है, तो यह कानून मिल-मालिकों के खिलाफ भी लगाया जाना चाहिए, जो किसानों को भुगतान नहीं दे रहे हैं। इसके साथ ही मैं कहना चाहता हूं, जब तक किसानों को उनके उत्पादन का भुगतान नहीं होता है, तब तक किसानों को जारी किए जाने वाले रिकवरी नोटिसैस पर रोक लगानी चाहिए।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : महोदय, मैं माननीय सदस्य की बात का समर्थन करता हूं और कहना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार के आगे नतमस्तक है। ये उनके सामने कुछ भी कहने वाले नहीं है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप मेरा काम आसान कर देते हैं।